TITLE CODE:- UPHIN51504
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 213
दि. 04.12.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पुतिन के लिए आज "हाई डिनर" की मेजबानी करेंगे प्रधानमंत्री मोदी, दोनों नेताओं की दोस्ती पर अमेरिका और यूरोप की बुरी नजर

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बृहस्पतिवार को अपने दोस्त और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के लिए पीएम आवास पर राजकीय हाई डिनर की मेजबानी करेंगे। इसके अगले दिन शुक्रवार को हैदराबाद हाउस में वह पुतिन के साथ द्विपक्षीय शिखर वार्ता में शामिल होंगे।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बृहस्पतिवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उनके लिए हाई डिनर की मेजबानी की है। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की लगातार गहरी होती इस दोस्ती पर अमेरिका और यूरोप की बुरी नजर है। बता दें कि पुतिन का यह दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है, जब अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते सबसे निम्न स्तर पर पहुंच चुके हैं। ऐसे में पुतिन के इस दौरे को भारत और रूस के बीच सामरिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने का बड़ा कदम माना जा रहा है।

पश्चिमी देशों की पुतिन के दौरे पर पैनी नजर

भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार पुतिन 4-5 दिसंबर को 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पुतिन की इस यात्रा पर पश्चिमी देशों की नजरें टिकी हैं। यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका रूस और भारत पर कई प्रतिबंध लगा चुका है। इसके बावजूद पुतिन की भारत यात्रा और भारत का रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखना दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती का बड़ा उदाहरण है।

कितने बजे दिल्ली पहुंचेंगे पुतिन

राष्ट्रपति पुतिन का विमान बृहस्पतिवार शाम करीब 4:30 बजे नई दिल्ली में उतरेगा। इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी उनके सम्मान में लोक कल्याण मार्ग स्थित निवास पर निजी रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। इससे पहले पुतिन ने भी जुलाई 2024 में पीएम मोदी को उनके मॉस्को दौरे के दौरान इसी तरह का हाई डिनर देकर आतिथ्य-सत्कार किया था। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में पुतिन का औपचारिक स्वागत होगा, उसके बाद पुतिन राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे।

रूस टुडे के भारत चैनल का उद्घाटन करेंगे पुतिन और मोदी

पुतिन और मोदी के बीच शुक्रवार को दोपहर 11 बजे हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय शिखर वार्ता होगी। इस दौरान रक्षा सहयोग, द्विपक्षीय व्यापार को बा' दबावों से सुरक्षित रखना और छोटे मॉड्यूलर न्यूक्लियर रिएक्टरों में सहयोग प्रमुख एजेंडा रहेगा।

शिखर वार्ता के बाद दोनों नेता भारत मंडपम में व्यापारिक नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद राष्ट्रपति पुतिन रूस टुडे के भारत चैनल का उद्घाटन करेंगे, जिसके लिए रूसी सरकार ने 100 सदस्यीय ब्यूरो स्थापित किया है। शाम 7 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उनके सम्मान में राजकीय भोज आयोजित करेंगी। लगभग 28-30 घंटे की यात्रा के बाद पुतिन शुक्रवार रात 9:30 बजे मॉस्को लौट जाएंगे।

पुतिन और मोदी के बीच बैठक का प्रमुख एजेंडा

पुतिन और मोदी के बीच बैठक का मुख्य एजेंडा रक्षा, ऊर्जा और व्यापार घाटा आदि रहेगा। शिखर सम्मेलन में भारत रूसी कच्चे तेल की बड़ी खरीद से बढ़ते व्यापार घाटे (भारत का निर्यात 65 अरब डॉलर, आयात 5 अरब डॉलर) पर चिंता जताएगा। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों से तेल आपूर्ति में अस्थायी गिरावट आ सकती है, लेकिन रूस इसे बढ़ाने के कदम उठा रहा है। चर्चा में अमेरिकी प्रतिबंधों का असर, फार्मा, कृषि, खाद्य उत्पादों और उपभोक्ता वस्तुओं में भारतीय निर्यात बढ़ाना तथा उर्वरक क्षेत्र में सहयोग (रूस सालाना 30-40 लाख टन आपूर्ति करता है) शामिल है।

यूक्रेन संघर्ष समाप्ति पर भी चर्चा

पुतिन मोदी को यूक्रेन संघर्ष समाप्ति के अमेरिकी प्रयासों से अवगत कराएंगे। भारत की राय स्पष्ट है कि शांति केवल संवाद और कूटनीति से संभव है। कई समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद है, जिनमें भारतीय श्रमिकों का रूस में आवागमन सुगम बनाने और रक्षा सहयोग का विस्तार शामिल है। यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द अंतिम रूप देने पर भी बात होगी, जिसका लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक ले जाना है।

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्री य दिव्यां गजन दिवस पर दिव्यांगों के लिए सम्मान, पहुंच और अवसर सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांग बहनों और भाइयों के लिए सम्मान, पहुंच और अवसर सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी है। श्री मोदी ने कहा कि दिव्यांगों ने अपनी रचनात्मकता और पक्के इरादे की वजह से अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है और हमारे देश की तरक्की को काफी बढ़ाया है। श्री मोदी ने कहा, "पिछले कुछ सालों में, भारत ने कानूनों, आसान इंफ्रास्ट्रक्चर, सबको साथ लेकर चलने वाली शिक्षा नीति और मददगार प्रौद्योगिकी में नवाचार के जरिए दिव्यांग कल्याण की दिशा में जरूरी कदम उठाए हैं। हम आने वाले समय में और भी बहुत कुछ करते रहेंगे।"

सीएम योगी की सख्ती के बाद बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों पर कसा शिकंजा, डिटेंशन सेंटर बनाने का निर्देश

लखनऊ (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश से बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को निकालने के लिए एक्शन शुरू हो गया है। इसके लिए नगर निकायों को सूची बनाकर आईजी और कमिश्नर को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में 17 नगर निकायों को निर्देश दे दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि नगर निकायों में काम करने वाले रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की सूची बनाएं और कमिश्नर व आईजी को सौपे।

कमिश्नर व आईजी को प्रथम चरण में डिटेंशन सेंटर बनाने का निर्देश दिया गया है। ये डिटेंशन सेंटर प्रदेश के हर मंडल में बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद अधिकारी एक्शन में आ गए हैं।

दिल्ली की तर्ज पर बनेंगे डिटेंशन सेंटर

उत्तर प्रदेश में से विदेशी घुसपैठियों को बाहर करने के लिए दिल्ली की तर्ज पर जिलों में डिटेंशन सेंटर बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद कई कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उनको वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी होने तक डिटेंशन सेंटर में रखने के लिए जगह तलाशी जा रही हैं। शासन के निर्देश पर जिलों में खाली सरकारी इमारतों, सामुदायिक केंद्र, पुलिस लाइन, थाने आदि चिन्हित किए जा रहे हैं, जहां घुसपैठियों को कड़ी सुरक्षा में रखा जा सके। डिटेंशन सेंटरों पर खाने-पीने और इलाज की भी सुविधा-दिल्ली में करीब 18 डिटेंशन सेंटर चल रहे हैं, जिनमें तकरीबन 1500 विदेशी नागरिकों को कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त में रखा गया है। इनमें अवैध रूप से सीमा पार करके आए बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अफ्रीकी मूल के देशों के नागरिक हैं।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों द्वारा भारतीय नागरिकता के दस्तावेज बनवा लेने की वजह से उनका सत्यापन कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक खेती पर अपने विचार साझा किए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज लिंक्डइन पोस्ट पर अपने लिखे एक आर्टिकल में प्राकृतिक खेती पर अपने विचार शेयर किए। श्री मोदी ने कहा, "दो हफ्ते पहले, मैं कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती पर एक समिट में था, जिसने मेरे मन पर गहरी छाप छोड़ी।

इस लिंक्डइन पोस्ट में इस पर कुछ विचार बताए, साथ ही पूरे भारत के लोगों से प्राकृतिक खेती को बढ़ाने की अपील की। एक नजर डालें।"

प्रधानमंत्री ने पर पोस्ट किया:

"दो हफ्ते पहले, मैं कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती पर एक समिट में था, जिसने मेरे मन पर गहरी छाप छोड़ी।

राष्ट्रपति ने वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु पुरस्कार प्रदान किए

दिव्यांगजनों का समावेश हमारी राष्ट्रीय विकास यात्रा का अभिन्न अंग है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (3 दिसंबर, 2025) अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि दिव्यांगजन समानता के हकदार हैं। समाज और देश की विकास यात्रा में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करना सभी हितधारकों का कर्तव्य है, न कि कोई दान-पुण्य। दिव्यांगजनों की समान भागीदारी से ही किसी समाज को वास्तविक अर्थों में विकसित माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस -2025 का विषय, 'सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए दिव्यांगता-समावेशी समाजों को बढ़ावा' भी इसी प्रगतिशील विचार पर आधारित है।

राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि हमारा देश कल्याणकारी मानसिकता से आगे बढ़ते हुए, दिव्यांगजनों के लिए अधिकार-आधारित, सम्मान-केंद्रित व्यवस्था अपना रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों का समावेश हमारी राष्ट्रीय विकास यात्रा का एक अभिन्न अंग है। 2015 से "दिव्यांगजन" शब्द के प्रयोग का निर्णय दिव्यांगजनों के प्रति विशेष सम्मान प्रदर्शित करने के लिए लिया गया था।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के समावेशन और सशक्तिकरण के लिए इको-सिस्टम को मजबूत कर रही है। उनके लिए सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास और खेल प्रशिक्षण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कई राष्ट्रीय स्तर के संस्थान स्थापित किए गए हैं। लाखों दिव्यांगजनों को विशिष्ट विकलांगता पहचान पत्र जारी किए गए हैं, जिससे उन्हें विशेष सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि दिव्यांगजनों के हितों के लिए सरकार के साथ-साथ समाज को भी जागरूक और सक्रिय रहना चाहिए। इससे सरकार के प्रगतिशील प्रयासों को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की गरिमा, स्वावलंबन और आत्म-सम्मान सुनिश्चित करना सभी नागरिकों का दायित्व है। प्रत्येक नागरिक को सामाजिक और राष्ट्रीय प्रगति के अपने प्रयासों में दिव्यांगजनों को भागीदार बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को उनकी जयंती

पर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लेने से लेकर, संविधान सभा की अध्यक्षता करने और देश के पहले राष्ट्रपति बनने तक, उन्होंने अतुलनीय गरिमा, समर्पण और उद्देश्य की स्पष्टता के साथ राष्ट्र की सेवा की। श्री मोदी ने कहा कि लंबे समय के सार्वजनिक जीवन में वह सादगी, साहस और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण से पहचाने जाते थे। उनकी अनुकरणीय सेवा और दूरदर्शिता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया: डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को उनकी जयंती पर नमन। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदार होने से लेकर, संविधान सभा की अध्यक्षता करने और देश के प्रथम राष्ट्रपति बनने तक, उन्होंने अतुलनीय गरिमा, समर्पण और उद्देश्य की स्पष्टता के साथ हमारे राष्ट्र की सेवा की।

तेलंगाना सीएम के देवी देवताओं पर की गई टिप्पणी पर भाजपा ने जताई आपत्ति, कांग्रेस आलाकमान से सार्वजनिक माफी की मांग

(जीएनएस)।

भाजपा ने तेलंगाना सीएम रेवंता रेड्डी के देवी देवताओं पर की गई टिप्पणी को घोर आपत्तिजनक बताते हुए तत्काल कांग्रेस आलाकमान से सार्वजनिक माफी की मांग है। कांग्रेस सीएम के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा, एक के बाद एक उनके नेताओं और मुख्यमंत्रियों के बयान हिन्दू विरोधी मानसिकता को उजागर करता है।

प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा, एक बार साबित हुआ है कि कांग्रेस पार्टी हिन्दू विरोधी और मुस्लिम परस्त है। ये सारी बयानबाजियां गांधी परिवार के निदेर्शों पर ही की जा रही हैं। उससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह सब मुस्लिम तुष्टिकरण से अपना वोट बैंक मजबूत करने के लिए किया जा रहा है।

रेवंता की देवी देवताओं पर की गई अपमानजन एवं अश्लील टिप्पणी, हिंदू आस्था और रीति-रिवाजों के मूल सिद्धांतों पर हमला है। उन्होंने विरोध जताते हुए कांग्रेस पार्टी पर हिंदुओं के प्रति गहरी नफरत रखने का आरोप

लगाया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा से मुस्लिम वोट बैंक के आगे झुकने वाली पार्टी रही है। इससे पूर्व रेवंत रेड्डी ने खुद कहा था कि कांग्रेस एक मुस्लिम पार्टी है। यह बयान ही उनकी मानसिकता को उजागर करता है। कांग्रेस की हिंदुओं और हिंदू देवताओं के प्रति नफरत उजागर होने के बाद समाज को एकजुट होने की जरूरत है। सनातन समाज के लिए भी गंभीरता से सोचने का समय आ गया है। क्या आप विभाजित रहेंगे और अपमान सहते रहेंगे, या आप एकजुट होंगे और अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे?

उन्होंने इस अक्षम्य कृत्य के लिए मुख्यमंत्री रेवंता रेड्डी समेत समूचे कांग्रेस नेतृत्व से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की है। क्योंकि ऐसा हो ही नहीं सकता कि जिसके मंत्री को मात्र रक्षपर पार्टी लाइन से अलग कहने पर इस्तीफा देना पड़ता हो, उनके मुख्यमंत्री ने बिना किसी ऊपरी निर्देश के लगातार ऐसे बयान दिए जा रहे हैं।

इससे पूर्व भी वे बिहारी डीएनए, कांग्रेस को मुस्लिमों की पार्टी जैसे अपमानजनक बयान दे चुके है और कांग्रेस नेतृत्व ने सवाल तक नहीं पूछा। लिहाजा स्पष्ट है कि कांग्रेस नेताओं ऐसे तमाम बयान गांधी परिवार के निदेर्शों पर दिए जाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के विकास को गति देने वाले हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय चौथी समीक्षा बैठक आयोजित की

11,360 करोड़ रुपए के कुल 27 प्रोजेक्ट्स के कामकाज की समीक्षा की गई

प्रोजेक्ट्स उनकी निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हों तथा गुणवत्ता में कोई कम्प्रोमाइज न हो; यह सुनिश्चित करने का मुख्यमंत्री का सम्बद्ध अधिकारियों को निर्देश

-: मुख्यमंत्री द्वारा समीक्षित प्रोजेक्ट्स :-

- रेलवे के 6 प्रोजेक्ट्स - 4190.96 करोड़ रुपए
- उद्योग एवं खान विभाग से जुड़े 6 प्रोजेक्ट्स झ 3657.62 करोड़ रुपए
- शहरी विकास विभाग के 12 प्रोजेक्ट्स झ 3511.91 करोड़ रुपए

गांधीनगर,03 दिसंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के विकास को अधिक गति देने वाले 146 हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स के कामकाज की प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए समय-समय पर समीक्षा बैठक करने

का नूतन दृष्टिकोण अपनाया है।

श्री पटेल ने इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को गांधीनगर आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में कुल 11,360 करोड़ रुपए के कुल 27 प्रोजेक्ट्स के कामकाज की समीक्षा की। इन प्रोजेक्ट्स अंतर्गत रेलवे से जुड़े 4, उद्योग एवं खान विभाग से जुड़े 6 और शहरी विकास विभाग के 15 प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर विस्तृत प्रेजेंटेशन तथा समीक्षा हुई।

उन्होंने राज्य के ऐसे हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स की सर्वग्राही समीक्षा के उपक्रमों में अब तक तीन समीक्षा बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में लगभग 67 प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा के दौरान उनके दिए गए सुझावों के संदर्भ में सम्बद्ध विभागों द्वारा किए गए कामकाज पर भी इस चौथी समीक्षा बैठक में गहन विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित भारत@2047 के विजन से सुसंगत विकसित गुजरात के लिए ये सभी विकासोन्मुखी हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड एंड हॉलिस्टिक डेवलपमेंट के लिए पथदर्शक हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रोजेक्ट्स उनकी निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हों तथा गुणवत्ता में कोई कम्प्रोमाइज न हो; यह सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश बैठक में दिए।

इतना ही नहीं; उन्होंने बैठक में राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव से कहा कि वे रेलवे से जुड़े प्रोजेक्ट्स में जमीन से सम्बद्ध मामलों के त्वरित निवारण के लिए सम्बद्ध जिला कलेक्टरों को निर्देश दें।

सम्पादकीय

श्रीलंका की सहायता में हैं भारत-पाक

श्रीलंका इस वक्त दैवी आपदा से जूझ रहा है। दुनिया के जो देश उसे राहत सामग्री भेज रहे हैं, उनमें श्रीलंका के लोगों के प्राति भ्रातृत्व भावना और मानवीय संवेदना का भाव दिखता है। 28 नवम्बर को दित्वा चक्रवात ने ऐसी तबाही लाईं कि श्रीलंका में 132 लोगों को काल ने लील लिया जबकि 176 लोग आज भी लापता हैं। अधिवृत आंकड़ों के मुताबिक 78000 लोग इस द्वीप राष्ट्र में आए भूस्खलन से हिल चुके हैं। श्रीलंका की इस दयनीय स्थिति से द्रवित मित्र भारत ने "ऑपरेशन सागर बंधु" चलाकर 53 टन राहत सामग्री हवाईं और समुद्री मार्ग से भेजी। 2000 को स्वदेश वापस लाया गया। भारत से भेजी गईं एनडीआरएफ की टीम ने 200 से ज्यादा लोगों की जानें बचाईं। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार जो लोग श्रीलंका में आईं आपदा में बचाए गए उनमें श्रीलंका, भारत, जर्मनी, स्लोवेनिया, ब्रिटेन, दक्षिण अप्रीका, पोलैंड, बेलारूस, ईरान, आस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिक शामिल हैं।

भारत कोलम्बो स्थित उच्चायोग, नईं दिल्ली के विदेश मंत्रालय और श्रीलंका के अधिकारियों से समन्वय बनाकर भारत ने 2 पोत आईंएनएस व्रिवंत और आईंएनएस फिगेट उदयगिरी के जरिए 9.5 टन राशन तत्काल उपलब्ध कराया। यही नहीं भारत ने 13.5 टन राहत सामग्री, दो सचल अस्पताल 'भीष्म क्यूब' सुखना भारतीय नौसेना ने 12 टन राहत सामग्री भेजी। इस तरह वुल 53 टन सामग्री भारत ने श्रीलंका के पीड़ितों की मदद के लिए भेजी। श्रीलंका की सरकार और जनता दोनों भारत के प्राति आभार व्यक्त कर चुके हैं और दिल से आभार महसूस करते भी हैं। किन्तु पाकिस्तान ने एक्सपायरी डेट की राहत सामग्री भेजकर न सिर्प श्रीलंका की सरकार और पीड़ित जनता को चिढ़ाया बल्कि उनके कटे पर नमक छिड़का है, इससे दोनों देशों के बीच जो वूटनीतिक संवाद हुए उससे तो यही लगता है श्रीलंका इस्लामाबाद से उसके व्यवहार को लेकर अत्याधिक नाराज है जबकि पाकिस्तान पर कोईं असर ही नहीं दिखता। मंगलवार को एक जानकारी के मुताबिक इस वूटनीतिक वार्ता के आदान-प्रादान का व्रम तो खत्म हो गया। असल में हुआ यह कि श्रीलंका में चव्रवात के तुरन्त बाद भारत की सव्रियता की प्रातिव्रिया पाकिस्तान पर भी हुईं। पाकिस्तान नेवी ने 29 नवम्बर को दवाएं, प्राथमिक चिकित्सा किट, सूखा राशन, तम्बू और अन्य आवश्यक वस्तुएं श्रीलंका के कोलम्बो बंदरगाह पर भेजी। 30 नवम्बर को एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कोलंबो स्थित पाक उच्चायोग ने लिखा "पाकिस्तान से राहत पैकेट सफलतापूर्वक श्रीलंका के बाढ़ प्राभावित भाइयोंबहनों तक पहुंचाए गए। यह हमारी अटूट एकजुटता का प्रातीक है।

पाकिस्तान हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा है।" लेकिन जब श्रीलंका के अधिकारियों ने राहत सामग्री की जांच की तो पाया कि पाकिस्तान ने श्रीलंका के साथ भद्दा मजाक किया है। उसने मानवता को शर्मसार कर दिया है। उन्होंने वुटिलतावश या असावधानीवश दवाएं एवं खाने-पीने की सामग्री 2024 की एक्सपायरी डेट की भेज दी। तम्बू भी फटे-पुराने इससे पाकिस्तान की नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है क्योंकि 2015 में उन्होंने भारत की नकल कर नेपाल भूवंप पीड़ितों को खाने-पीने की जो राहत सामग्री के तौर में भेजी वह बीफ मिश्रित थी। उस वक्त नेपाल ने काठमांडू स्थित पाक दूतावास के राजनयिकों को खरी खोटी सुनाईं थी और कहा था कि पाकिस्तान की सांस्वृतिक संवेदनहीनता से समूचा नेपाल आहत है।

असल में पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो खंडित चिन्तन का शिकार हो चुका है। मतलब यह कि सरकार की सेना की जी हजूरी करते बीतती है इसलिए यह कहना ठीक होगा कि सरकार का कोईं दृढ़ विचार है ही नहीं या तो यह कहें कि उसकी कोईं वैचारिक पहचान ही नहीं है। उस पर सेना का दबाव होता है, इसलिए वह सेना के निदेर्शों के अनुसार ही विचार भी बनाती है और व्यवहार भी करती है। रही बात पाक सेना और आम जनता की तो जनता इस वक्त सेना के अनुसार नहीं सोचती।

सेना ने वुछ पत्रकारों को खरीद रखा है जो उसके पक्ष में विमर्श जरूर बनाते हैं और इसी तरह पाकिस्तान के वुछ शीर्ष सेवा से निवृत्त सैन्य एवं प्राशासनिक अधिकारियों के माध्यम से अपने पक्ष और उन राजनीतिक पार्टियों के खिलाफ माहौल बनाती है जो उसकी बातें नहीं मानती। लब्बोलुआब यह है कि पाकिस्तान जिस तरह मानवता के प्राति व्रूर मजाक करता है, उससे उसके शासकों यानि सेना और उसकी सरकार के प्राति वितृष्णा पैदा होती है। अब तो पाकिस्तान के बुद्धिजीवियों और वहां की आम जनता पर वेदना होती है जो आज भी सेना की गुलामी से त्रस्त हैं और उनके द्वारा चुनी सरकार को उल्टे सीधे काम करने पड़ते हैं।

जीएआरसी की छठी रिपोर्ट में डेमोग्राफिक डिविडेंड समान युवाओं को उचित मौके एवं रोजगार के अवसर देकर उनकी असीम शक्ति को विकसित गुजरात के निर्माण में जोड़ने की सिफारिशें

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को सौंपी गई गुजरात प्रशासनिक सुधार आयोग की छठी रिपोर्ट

-: छठी रिपोर्ट की प्रमुख सिफारिशें :-

- भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के लिए सुनिश्चित समयसीमा
- संयुक्त भर्ती तथा कॉमन सेंट्रल टेस्ट (सीईटी)
- हर दो वर्ष में निश्चित रिक्विजिशन विंडो
- संपूर्ण डिजिटल डॉक्यूमेंट वेयरीफिकेशन
- कैंडिडेट फ्रेंड्ली-एंड टु एंड डैशबोर्ड
- रिक्विजिशन से नियुक्ति तक संपूर्ण डिजिटल वर्कफ्लो
- भर्ती एजेंसियों की क्षमता में वृद्धि-पुनर्गठन
- कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षाओं का व्यापक उपयोग
- 10 वर्ष का भर्ती कैलेंडर

गांधीनगर,03 दिसंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डेमोग्राफिक डिविडेंड समान युवाओं को उचित मौके तथा रोजगार के अवसर देकर उनकी असीम शक्ति को विकसित राष्ट्र-विकसित राज्य के निर्माण में जोड़ने के दिए गए विचार को राज्य में साकार करने का दृष्टिकोण अपनाया है।

श्री पटेल ने इस उद्देश्य से राज्य सरकार के प्रशासनिक ढाँचे तथा कार्य पद्धति में आवश्यक फेरबदल के लिए मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया की अध्यक्षता में गुजरात प्रशासनिक सुधार आयोग (जीएआरसी) का गठन किया है।

इस प्रशासनिक सुधार आयोग (जीएआरसी) के अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढिया ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को अपनी छठी सिफारिश रिपोर्ट सौंपी। जीएआरसी इससे पहले तक राज्य सरकार को पाँच रिपोर्ट सौंप चुका है।

मुख्यमंत्री को बुधवार को सौंपी गई जीएआरसी की छठी रिपोर्ट में राज्य में भर्ती प्रक्रिया को अधिक तेज, पारदर्शी, टेक्नोलॉजी से युक्त तथा युवा केन्द्रित बनाने की लगभग 9 सिफारिशें की गई हैं।

जीएआरसी की इस छठी रिपोर्ट में जिन मुद्दों को शामिल किया गया है, उनके अनुसार

1. भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के लिए निश्चित टाइमलाइन

जिस भर्ती प्रक्रिया में तीन स्टेज हों, वह 9 से 12 महीने में और जिसमें दो स्टेज हों, वह 6 से 9 महीने में पूरी करने और भविष्य में इस समयावधि से भी कम समय में भर्ती प्रक्रिया पूरी हो; ऐसी सिफारिश की गई है।

2. संयुक्त भर्ती तथा कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी)

रिपोर्ट में समान शैक्षणिक योग्यता वाले विभिन्न कैडरों के लिए संयुक्त प्रिलिम्स तथा विषयवार मेन्स परीक्षा आयोजित कर भर्ती प्रक्रिया में एकरूपता लाने की सिफारिश की गई है। इससे समान प्रकार के कैडर के लिए अलग-अलग परीक्षा पर होने वाले प्रशासनिक एवं वित्तीय खर्च में काफी कमी लाकर भर्ती प्रक्रिया तेजी से पूर्ण हो सकेगी।

3. हर दो वर्ष में दो निश्चित रिक्विजिशन विंडो

हर दो वर्ष में दो निश्चित रिक्विजिशन विंडो निर्धारित कर सभी विभागों द्वारा ऑनलाइन मांगपत्र सबमिट करने की व्यवस्था के साथ भर्ती नियमों, परीक्षा नियमों और प्रशिक्षण नियमों के लिए एक केन्द्रीय सेल का गठन करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके फलस्वरूप; भर्ती प्रक्रिया के लिए आवश्यक नियमों को बहुत तेजी से अंतिम रूप दिया जा सकेगा और भर्ती प्रक्रिया तेज बनेगी।

4. संपूर्ण डिजिटल डॉक्यूमेंट वेयरीफिकेशन (आईएएसएस)

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि हाल में होने वाली मैनुअल जाँच के स्थान पर संपूर्ण डिजिटल दस्तावेज से जाँच करने से तथा डिजी-लॉकर की तरह ही एपीआई-लिंक्ड डेटाबेस और यूनिक उम्मीदवार डॉक्यूमेंट रजिस्ट्री के गठन से भर्ती करने वाली संस्था और सरकारी विभागों के बीच उम्मीदवारों के दस्तावेज आसानी से भेजे जा सकेंगे और डॉक्यूमेंट वेयरीफिकेशन भी बहुत प्रभावशाली बनेगा।

5. कैंडिडेट फ्रेंड्ली-एंड टु एंड डैशबोर्ड

रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि उम्मीदवार आधारित यूनिक आईडी पर एंड टु एंड डैशबोर्ड बनाया जाए, जिसमें आवेदन से लेकर नियुक्ति तक की समग्र प्रक्रिया को ट्रैक किए जाने सकने की व्यवस्था के साथ जिलेवार पोस्टिंग के लिए डिजिटल माध्यम से जिला चयन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

6. रिक्विजिशन से नियुक्ति तक संपूर्ण डिजिटल वर्कफ्लो

एकीकृत डिजिटल पोर्टल द्वारा सभी स्टेकहोल्डर्स (विभागों-एजेंसियों-उम्मीदवारों) के बीच सूचना का आदान-प्रदान संभव होगा और उम्मीदवारों को एक ही प्रकार के दस्तावेज बार-बार अलग-अलग भर्ती संस्थाओं के समक्ष प्रस्तुत करने की जरूरत नहीं रहेगी। ऐसी व्यवस्था से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के दृष्टिकोण के साथ एकरूपता की सिफारिश की गई है।

7. भर्ती एजेंसियों की क्षमता में वृद्धि तथा पुनर्गठन

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अधीनस्थ विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों की भर्ती के लिए नए मेडिकल सर्विसेज रिक्रूटमेंट बोर्ड (एमएसआरबी) का गठन करने और जीएसएसएसबी, जीपीएसएसबी तथा जीपीआरबी को गुजरात लोक सेवा आयोग के समक्ष आवश्यक व आर्थिक स्वायत्तता देने की सिफारिश इस रिपोर्ट में हुई है।

8. कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षाओं का व्यापक उपयोग

राज्य में जहाँ तक संभव हो, परीक्षाएँ कम्प्यूटर आधारित (कम्प्यूटर बेस्ड) ली जाएँ और ऐसी परीक्षा की प्रभावी देखरेख के लिए हर भर्ती एजेंसी में एक अलग एग्जाम मॉनिटरिंग यूनिट (ईएमयू) की स्थापना की जाए। यह भी सुझाव रिपोर्ट में दिया गया है।

9. 10 वर्ष का भर्ती कैलेंडर

हर विभाग के लिए भावी आवश्यकताओं पर आधारित 10 वर्ष के भर्ती कैलेंडर की समीक्षा कर बहुत ही महत्वपूर्ण इमर्जेंसी सर्विस तथा क्रिटिकल कैडर की पहचान कर हर संभव तेजी से भर्ती करने की सिफारिश जीएआरसी ने की है।

देश के विकास में अग्रसर गुजरात के युवाओं को तेजी से अधिक एवं प्रभावी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के संकल्प को इन सिफारिशों से पूरा किया जा सकेगा।

इतना ही नहीं; जीएआरसी द्वारा की गई ये सिफारिशें लागू करने से भर्ती प्रक्रिया एक वर्ष से कम समयसीमा में पूर्ण हो सके, राज्य के युवाओं को समय पर तथा पारदर्शी रोजगार के अवसर प्राप्त हों, लंबे समय से लंबित रिक्तियाँ तेजी से भरी जाएँ और सरकार की प्रशासनिक क्षमता एवं सार्वजनिक सेवा प्रदान करने में गति आए; ऐसा राज्य सरकार का दृष्टिकोण साकार होगा।

मुख्यमंत्री को जीएआरसी की यह छठी रिपोर्ट सौंपे जाने के अवसर पर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस. एस. राठौड़, मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह, प्रशासनिक सुधार प्रभाग के प्रधान सचिव श्री हारित शुक्ला, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडे और जीएआरसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

जीएआरसी की छठी रिपोर्ट की सिफारिशें जीएआरसी की वेबसाइट https://garcguj.in/resources पर अपलोड की गई हैं।

प्रदूषण ने छीन ली है चेहरे की चमक तो इन बातों का रखें ख्याल -शहनाज हुसैन

भारत में बढ़ते शहरीकरण, औद्योगीकरण, जनसंख्या और अन्य कारणों से प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है।

देश में प्रदूषण का स्तर किसी से छिपा नहीं है। पिछले काफी हफ़्तों से ज्यादातर शहरों में पी एम लेवल 150 से पार रिकॉर्ड किया जा रहा है जो कोलेजन और इलास्टिसिटी जैसे महत्वपूर्ण तत्वों को नुकसान पहुंचाता है।

आज के समय में बढ़ते प्रदूषण का असर पर्यावरण के अतिरिक्त त्वचा और आंखों पर दिखाई देता है इसकी वजह से त्वचा बेजान और बेरुखी नजर आती हैं तथा त्वचा पर एक्ने, एक्जिमा व हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी समस्याएं बढ़ती हैं जिससे आप समय से पहले ही बूढ़े दिखने लगते हैं प्रदूषण के कारण त्वचा की सुरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। इससे त्वचा में नमी की कमी होती है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है।

मेरा यह सुझाव है कि बाहर से आते ही चेहरे को हल्के फेस वाश से जरूर धोएं ताकि त्वचा पर जमी धूल, गंदगी को हटाया जा सके जिससे त्वचा की सुरक्षा परत को सुरक्षित रखा जा सके

सनस्क्रीन का इस्तेमाल सूरज की यूवी किरणों के इलाबा प्रदूषण से भी आपकी स्किन की सुरक्षा करता है। एक व्यापक 30 एस पी एफ या उससे अधिक स्पेक्ट्रम वाली सनस्क्रीन का उपयोग करें।

सुबह बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं क्योंकि प्रदूषण और धूप मिलकर नुकसान को कई गुना बढ़ा देते हैं सप्ताह में दो से तीन बार स्किन की गहराई से सफाई और एक्सफोलिएशन करें ज्यादातर लोग त्वचा की सामान्य तरीके से क्लींजिंग करते हैं। जबकि बढ़ते प्रदूषण में स्किन को डीप क्लीनिंग करनी होती है। चेहरे को धोने के लिए ऑयल बेस्ड क्लींजर का यूज करें दिन में दो बार फेस वॉश जरूर करें पूरे दिन त्वचा पर प्रदूषण और गंदगी जमा हो जाती है जिसे साफ करने के लिए सोने से पहले डबल क्लींजिंग करें। इसमें पहले तेल आधारित क्लींजर से अशुद्धियों को पिघलाकर चेहरे को साफ किया जाता है।

इसके बाद पानी आधारित क्लींजर का इस्तेमाल किया जाता है जो रोमछिद्रों को साफ करता है। इसके बाद पेप्टाइड युक्त मरम्मत करने वाला सीरम लगाएं और मॉइस्चराइजर उपयोग करें।

बाहर जाते समय चेहरे को कपड़े से ढकें और धूल वाले स्थान से दूरी बनाएं आंखों के लिए चश्मा या धूप का चश्मा पहनें इससे धूल और धुएं का सीधा असर कम होता है त्वचा को डिटॉक्स और हाइड्रेट करने के लिए रोजाना पर्याप्त पानी जूस ,सूप पिएं और अपने भोजन में रोज फल व सब्जियां शामिल करें

इस दौरान एंटीऑक्सीडेंट युक्त आहार लेना भी मददगार साबित हो सकता है। एंटीऑक्सीडेंट ज्यादातर फल और सब्जियों में पाए जाते हैं फलों में ज्यादातर जामुन , स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी , रास्पबेरी, अंगूर , संतरे और अनार में पाए जाते हैं सब्जियों में पालक , गाजर और ब्रॉक्ली इसके स्त्रोत हैं

प्रदूषण से जंग जीतने में घर से बाहर निकलने से पहले त्वचा पर विटामिन.सी युक्त सिरम जरूर लगाएं। इससे स्किन को फ्री रेडिकल से बचाया जा सकता है और त्वचा की रंगत में निखार आता है। एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त क्रीम लगाने से चेहरे के पिगमेंटेशन कम होते हैं और त्वचा को कई अन्य लाभ भी मिलते हैं।

इस दौरान ज्यादा गर्म या ठंडे पानी से नहाने से परहेज करें क्योंकि यह त्वचा को शुष्क बना सकता है इसकी बजाय सामान्य या गुनगुने पानी का इस्तेमाल बेहतर साबित होगा

बार बार मुंह धोने से त्वचा की सुरक्षा परत कमजोर पड़ सकती है इसलिए दो बार से ज्यादा मुंह न धोएं अगर आपकी त्वचा में जलन हो रही हो तो कठोर स्क्रब, अल्कोहल.आधारित टोनर और रेटिनॉइड जैसे उत्पादों से परहेज करें क्योंकि ये नुकसान पहुंचा सकते हैं।

यदि आपकी त्वचा शुष्क है तो आपको क्लीजिंग क्रीम तथा जैल का प्रयोग करना चाहिए जबकि तैलीय त्वचा में क्लीनिंग दूध या फेस वाश का उपयोग किया जा सकता है। सौंदर्य पर प्रदूषण के प्रभावों को कम करने के लिए चन्दन, यूकेलिप्टस, पुदीना, नीम, तुलसी, घृतकुमारी जैसे पदार्थों का उपयोग कीजिए। इन पदार्थों में विषैले तत्वों से लड़ने की क्षमता तथा बलवर्धक गुणों की वजह से त्वचा में विषैले पदार्थों के जमाव तथा फोडे, फुन्सियों को साफ करने में मदद मिलती है। वायु प्रदूषण खोपड़ी पर भी जमा हो जाते है।

एक चम्मच सिरका तथा घृतकुमारी में एक अण्डे.को मिलाकर मिश्रण बना लीजिए तथा मिश्रण को हल्के-2 खोपड़ी पर लगा लीजिए। इस मिश्रण को खोपड़ी पर आधा घण्टा तक लगा रहने के बाद खोपड़ी को ताजे एवं साफ पानी से धो डालिए। आप वैकल्पिक तौर पर गर्म तेल की थैरापी भी दे सकते है। नारियल तेल को गर्म करके इसे सिर पर लगा लीजिए। अब गर्म पानी में एक तौलिया डुबोइए तथा तौलिए से गर्म पानी निचोडने के बाद तौलिए को सिर के चारों ओर पगड़ी की तरह बांध कर इसे पांच मिनट तक रहने दीजिए तथा इस प्रक्रिया को 3-4 बार दोहराईए। इस प्रक्रिया से बालों तथा खोपड़ी पर तेल को सोखने में मदद मिलती है। इस तेल को पूरी रात सिर पर लगा रहने दें तथा सुबह ताजे ठंडे पानी से धो डालिए।

प्रदूषण से जंग में पानी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है इस दौरान आप ताजे , स्वच्छ जल का अधिकतम उपयोग कीजिये क्योंकि पानी शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकलने तथा कोशिकाओं को पौष्टिक पदार्थों को बनाये रखने में मदद करता है प्रदूषण की वजह से त्वचा को हुए नुकसान की भरपाई पानी से आसानी से की जा सकती है

ओमेगा 3 तथा ओमेगा 6 फैटी एसिड त्वचा को प्रदूषण के दुष्प्रभाव से बचाने में अहम भूमिका अदा करते है फैटी एसिड्स त्वचा में आयल शील्ड बना देते हैं जिससे त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों से होने बाले नुकसान से सुरक्षा प्राप्त होती है

ओमेगा 3 फैटी एसिड्स बफीर्ले पहाड़ों की नदियों में पाए जाने बाली मछली , अखरोट , राजमा , तथा पालक में प्रचूर मात्रा में मिलता है जबकि ओमेगा 6 चिकन ,मीट ,खाद्य तेलों ,अनाज तथा खाद्य बीजों में पाया जाता है

वायु में प्रदूषण तथा गंदगी से आंखों में जलन तथा लालिमा आ सकती है। आंखों को ताजे पानी से बार-2 धोना चाहिए। काटन वूल पैड को ठण्डे गुलाब जल या ग्रीन-टी में डुबोइए तथा इसे आँखों में आई पैड की तरह प्रयोग कीजिए। आंखों में आई पैड लगाने के बाद जमीन में गद्दे पर 15 मिनट तक आराम में शव आसन की मुद्रा में लेट जाइए। इससे आंखों में थकान मिटाने में मदद मिलती है तथा आंखों में चमक आती है।

वायु में प्रदूषण के स्तर से निपटने के लिए हम कुछ औषधीय पौधों को मदद भी प्राप्त कर सकते है। इन पौधों में एलोवेरा सबसे लाभदायक माना जाता है जो कि सामान्यतः सभी भारतीय घरों में आसानी से देखा जा सकताहै। यह घरों में ऑक्सीजन के प्रवाह को तेज करता है तथा प्रदूषण के प्रभाव को कम करता है। यह कार्बनडायक्साईड तथा कार्बन मोनोआक्सीईड को सोख कर आक्सीजन को वातावरण में छोड़ता है।

इसके अलावा अंजीर, बरगद, पीपल का वृक्ष और स्पाईडर प्लांट भी हवा को साफ करने में काफी सहायक माना जाता है क्योंकि यह हवा में विद्यमान जहरीले तत्वों को सोख लेते है। इसके अलावा सान्सेवीरिया जिसे सामान्य भाषा में स्नेक प्लांट कहा जाता है भी वायु प्रदूषण को रोकने तथा ताजा स्वच्छ वायु प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। स्नेक प्लांट को सामान्य बेडरूम में रखा जाता है तथा इसकी देखभाल भी काफी आसान तथा सामान्य है। इसके अलावा ऐरेका पाम, इंग्लिश आईवी, बोस्टन फर्न तथा पीस लिलो जैसे पौधे भी भारत में आसानी से मिल जाते है तथा पर्यावरण मित्र माने जाते है।

लेखिका अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेष्ज्ञ हैं और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है

'तुम जवान हो, चिंता मत करो', रात 2 बजे बेटी के टूटने पर आंखें नम करने वाले पिता के बोल हुए वायरल

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया पर टटर लीक कांड ने इस वक्त तहलका मचा रखा है। इस बीच, इंटरनेट पर हर किसी का दिल जीत लेने वाला वीडियो सामने आया। इसमें एक पिता ने रात के 2 बजे अपनी बेटी को वो बातें कहीं, जिसके बाद बच्चों के मन में आवाज उठ रही है- 'काश हर पापा ऐसे होते...'

दरअसल, एक छोटा सा फोन कॉल, आंसुओं से भरी बेटी और पिता की वो शांत, गहरी आवाज - 'ऐसा नहीं है कि डॉक्टर बनोगे तभी कुछ होगा... तुम अभी जवान हो, दबाव मत लो बच्चे... मैं अभी बूढ़ा नहीं हुआ हूं।' वीडियो को अब तक 8 मिलियन से ज्यादा व्यूज, लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स मिल चुके हैं। आइए जानते हैं किस बारे में हो रही थी बात?

रात के 2 बजे क्या हुआ था? वायरल वीडियो की पूरी कहानी

वीडियो में एक युवती (उम्र करीब 19-20 साल) कैमरे के सामने बैठी है। आंखें लाल, गालों पर आंसुओं की लकीरें। वो फोन पर अपने पापा से बात कर रही है। आवाज में घबराहट और थकान साफ झलक रही है। शायद करियर का प्रेशर, पढ़ाई का बोझ या सोसाइटी का डर - सब कुछ एक साथ टूट पड़ा था।

गर्ल ब्रेक डाउन

पिता की आवाज शांत, लेकिन इतनी मजबूत कि सुनने वाला भी सुकून महसूस करे। वो बार-बार कहते हैं:-

'ऐसा नहीं है कि डॉक्टर बनेंगे तभी कुछ होगा। भारत में और भी हजार रास्ते हैं।'

'तेरी उम्र अभी बहुत ज्यादा नहीं हो गई है... दबाव मत डालो खुद पर, बच्चे।'

'पढ़ाई बंद कर दो अगर मन नहीं लग रहा। कई बार एक ही रूटीन से ऊब जाते हैं लोग - ये बिल्कुल नॉर्मल है।'

'तू बहुत होशियार बच्ची है। और मैं अभी बूढ़ा नहीं हुआ हूं। चिंता मत करो।'

'तुम जवान हो... अभी तो पूरी जिंदगी पड़ी है।'

गर्ल ब्रेक डाउन

बस यही कुछ मिनटों की बातचीत। कोई लेक्चर नहीं, कोई डांट नहीं, कोई तुलना नहीं। सिर्फ बिना शर्त का प्यार और भरोसा। वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है:- 'जब मैं रात के 2 बजे पापा को फोन करती हूं, तो वो हमेशा मुझे हौसला देने के लिए तैयार रहते हैं।'

सोशल मीडिया पर बाढ़ सी आ गई भावनाओं की

वीडियो जैसे ही एक्स, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर पहुंचा, लोग अपने-अपने पापा को टैग करने लगे। कुछ चुनिंदा कमेंट्स जो दिल छू गए:-

गर्ल ब्रेक डाउन

'एक शांत वाक्य में उस पिता ने दुनिया का सारा बोझ अपनी बेटी के कंधों से हटा कर अपने कंधों पर ले लिया। ये है असली पिता।'

'काश मेरे पापा भी कभी ऐसा बोलते... मैंने तो सिर्फ 'टॉप करो, डॉक्टर बनो' ही सुना है।'

'अगर हर बच्चे के माता-पिता ऐसे सपोर्टिव होते, तो डिप्रेशन और सुसाइड के केस आधे रह जाते।'

'ये वीडियो हर उस बच्चे को दिखाओ जो रात में चुपके से रोता है कि 'मुझे कुछ नहीं आता'।'

'पापा ने एक लाइन में पूरी जिंदगी का फलसफा दे दिया - 'मैं अभी बूढ़ा नहीं हुआ हूं'। मतलब - जब तक मैं हूं, तुम्हें कुछ नहीं होने दूंगा।'

असल जिंदगी में भी ऐसे पिता हैं, बस उनकी कहानियां कम वायरल होती हैं

इस वीडियो ने एक बड़ा सवाल फिर से उठा दिया - हम बच्चों पर कितना दबाव डाल रहे हैं? 2024 के ठउफ्ह डेटा के मुताबिक, 18-30 साल के युवाओं में सुसाइड का दूसरा सबसे बड़ा कारण 'करियर/पढ़ाई का प्रेशर' है।

कोचिंग सिटी कोटा में पिछले 3 सालों में 70+ बच्चों ने प्रेशर की वजह से जान दे दी।

अधिकतर केस में पैरेंट्स का एक ही जवाब - 'हम तो बेस्ट चाहते थे।'

लेकिन इस वायरल वीडियो ने साबित कर दिया कि 'बेस्ट' का मतलब सिर्फ क्क्ळ-मेडिकल नहीं होता। बेस्ट का मतलब है - बच्चे का मानसिक सुकून, उसका आत्मविश्वास और उसकी खुशी।

संदेश साफ है - प्रेशर मत दो, सपोर्ट दो

ये वीडियो सिर्फ एक पिता-बेटी की बातचीत नहीं, बल्कि आज के हर घर के लिए एक सबक है। अगर आपका बच्चा तनाव में हैं, तो उसे डांटने की बजाय एक बार जरूर बात करें, उसे समझें। क्योंकि कभी-कभी करियर से ज्यादा जरूरी होता है - एक भरोसे का हाथ और एक सुकून भरी आवाज। आपको ये वीडियो कैसा लगा? क्या आपके पापा भी ऐसे हैं? कमेंट में जरूर बताएं।

जल्द गूंजेगी रश्मिका मंदाना-विजय देवरकोंडा के घर शहनाई?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में मजबूत पहचान बना चुकीं रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा में हैं। लंबे समय से यह खबरें सामने आती रही हैं कि वह अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ रिश्ते में हैं। अब, उनकी सगाई और शादी की अफवाहों ने प्रशंसकों को और भी उत्साहित कर दिया है।

हाल ही में दिए गए एक मैगजीन इंटरव्यू में रश्मिका ने पहली बार शादी को लेकर प्रतिक्रिया दी। जब उनसे सीधे तौर पर सवाल किया गया कि शादी कब करने की योजना है, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा-"इस बारे में हम खुद बताएंगे।" उनके इस जवाब ने संकेत दिया कि शादी को लेकर कुछ न कुछ जरूर चल रहा है। कई रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि यह जोड़ा फरवरी 2025 में शादी के बंधन में बंध सकता है। हालांकि दोनों की ओर से अभी कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन प्रशंसकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है।

उदयपुर में हो सकती है शाही शादी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका और विजय उदयपुर में एक भव्य लेकिन निजी समारोह में विवाह कर सकते हैं। शादी में सिर्फ परिवार और बहुत करीबी दोस्त शामिल होंगे। जगह और तारीख को लेकर अभी गोपनीयता बरती जा रही है, जिससे अंदाजे और भी मजबूत हो गए हैं।

'गीता गोविंदम' से शुरू हुई नजदीकियां

इस रिश्ते की चर्चा 2018 की सुपरहिट फिल्म 'गीता गोविंदम' के समय से शुरू हुई थी। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आई थी, और 2019 में आई फिल्म 'डियर कॉमरेड' ने इन खबरों को और हवा दी। हालांकि दोनों अक्सर साथ छुट्टियों पर जाते देखे गए और एक जैसी लोकेशन से तस्वीरें भी साझा कीं, लेकिन किसी ने भी अपने रिश्ते को पब्लिकली स्वीकार नहीं किया।

रश्मिका का करियर ग्राफ लगातार ऊंचा

व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ रश्मिका का फिल्मी करियर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। साउथ फिल्मों से शुरूआत कर वह अब बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो चुकी हैं। इस साल विक्की कौशल के साथ उनकी फिल्म 'छावा' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की। वहीं आयुष्मान खुराना के साथ 'थामा' को भी दर्शकों का खूब प्यार मिला।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और भुज के बीच चलाएगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई, 03 दिसम्बर, 2025

यात्रियों की सुविधा के लिए तथा अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस – भुज स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर पूर्ण आरक्षित सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 09037/09038 बांद्रा टर्मिनस – भुज सुपरफास्ट (द्विसाप्ताहिक) स्पेशल [24 फेरे]

ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस – भुज सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार एवं शनिवार को बांद्रा टर्मिनस से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:50 बजे भुज पहुंचेगी। यह ट्रेन 06 दिसम्बर, 2025 से 15 जनवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09038 भुज – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को भुज से 17:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 07 दिसम्बर, 2025 से 16 जनवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, ध्रांगध्रा, सामाख्याली, भचाऊ तथा गांधीधाम स्टेशनों पर ठहरेगी।

यह ट्रेन पूर्णतः आरक्षित रहेगी तथा इस ट्रेन में एसी 3-टियर कोचेस रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09037 एवं 09038 की बुकिंग 04 दिसम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। यात्री ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

जल संसाधन विभाग में एक सहायक अभियंता सहित अनुकम्पा पर नियुक्त 32 कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए

पटना में जल संसाधन विभाग ने अनुकंपा के आधार पर चयनित 32 कर्मचारियों, जिनमें एक सहायक अभियंता भी शामिल थे, को नियुक्ति पत्र जारी किए। समारोह में विभागीय दक्षता और मृत कर्मचारियों के परिवारों का सम्मान करने पर जोर दिया गया, ईमानदारी, तत्परता और सेवा पर टिप्पणी की गई।

(जीएनएस)।

पटना स्थित सिंचाई भवन के सभागार में आज जल संसाधन विभाग द्वारा आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने एक नवनियुक्त सहायक अभियंता तथा अनुकम्पा के आधार पर चयनित 32 कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का

शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद अपर सचिव के. डी. प्रौज्वल ने सभी अधिकारियों एवं नवनियुक्त कर्मियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर विभाग के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सहायक अभियंता सहित सभी नवनियुक्त कर्मियों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नियुक्ति की प्रक्रिया तेज हुई है, जो विभाग की दक्षता और संवेदनशीलता को दशार्ती है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "आज आप जल संसाधन विभाग से जुड़ रहे हैं। यह केवल नियुक्ति नहीं, बल्कि अपनी क्षमता साबित करने का अवसर है। अपेक्षा है कि सभी कर्मी ईमानदारी, तत्परता और समर्पण के साथ दायित्व निभाएँगे और विभाग की प्रतिष्ठा बढ़ाएँगे। विभाग ने आप पर भरोसा जताया है, इसलिए अपेक्षाओं पर खरा उतरना भी आपकी जिम्मेदारी है।" उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नियुक्ति संबंधी मामलों के निष्पादन में विभाग ने गति लाई है, जो सराहनीय है।

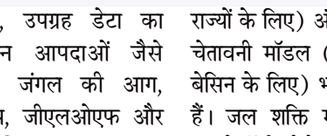

विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने भी नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन सभी के जीवन में नई शुरूआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 32 कर्मियों के असामयिक निधन के बाद उनके परिजनों को जो अवसर मिला है, वह बड़ी जिम्मेदारी है।

एकीकृत मुख्य पैराशूट एयरड्रॉप का सफल परीक्षण

■ डॉ. जितेंद्र सिंह ने संसद को बताया कि एकीकृत मुख्य पैराशूट एयरड्रॉप का सफल परीक्षण भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की इसरो की अच्छी तैयारी दशार्ता है

■ डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, इसरो के सफल अत्यंत दुर्गम स्थिति पैराशूट परीक्षण ने गगनयान के लिए सुदृढ़ मिशन सुरक्षा मानक स्थापित किए

■ डॉ. जितेंद्र सिंह ने संसद को आश्वस्त किया: सभी परीक्षण परिणाम अंतरिक्ष यात्रियों की आपातकालीन स्थिति और बचाव प्रशिक्षण में शामिल किए जाएंगे

■ डॉ. जितेंद्र सिंह ने अत्यंत दुर्गम स्थिति में सफल पैराशूट परीक्षण के बाद संसद को बताया कि 2027 की पहली तिमाही में भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन सही दिशा में आगे बढ़ रहा है

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री; प्रधानमंत्री कार्यालय में अंतरिक्ष राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज संसद को बताया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो द्वारा हाल में एकीकृत मुख्य पैराशूट एयरड्रॉप का सफल परीक्षण भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान, के लिए मिशन-तैयारी योजना को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लोकसभा में प्रश्नों के उत्तर में, डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह परीक्षण, अंतरिक्ष यान चालक दल के पैराशूट-आधारित मंदन प्रणाली के योग्यता अभियान का महत्वपूर्ण घटक है, जो इस मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

डॉ. सिंह ने बताया कि नवीनतम एकीकृत मुख्य पैराशूट एयरड्रॉप में सबसे चरम अवतरण स्थितियों में से एक का अनुकरण किया गया और दो मुख्य पैराशूटों के बीच डिसरीफिंग क्रम में जानबूझकर समय का अंतर रखा गया। इसमें असममित बलों के तहत प्रणाली की संरचनात्मक जुड़ाव और भार वहन क्षमता, दोनों की पुष्टि हुई। श्री सिंह ने कहा कि यह सफल परीक्षण मानव-योग्यता निर्धारण प्रक्रिया को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाता है और 2027 की पहली तिमाही तक पहला मानवयुक्त गगनयान मिशन प्रक्षेपित करने के सरकार के लक्ष्य का समर्थन करता है।

संसद में प्रश्नकाल के दौरान तृतीय-पक्ष सत्यापन और तकनीकी निगरानी पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में डॉ. सिंह ने कहा कि इसरो नियमित रूप से क्रू मॉड्यूल पैराशूट प्रणाली और उससे संबंधित सभी परीक्षण परिणामों की स्वतंत्र और कठोर समीक्षा करता है। इनमें डिजाइन समीक्षा दल, स्वतंत्र मूल्यांकन समिति और मानव योग्यता निर्धारण एवं प्रमाणन के लिए देश भर के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों वाली राष्ट्रीय सलाहकार समिति शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ये संस्थागत मंच सभी मानव-मूल्यांकन तत्वों की गहन जांच करते हैं।

पारदर्शिता से संबंधित मुद्दों पर श्री सिंह ने कहा कि इसरो निरंतर और समय-समय पर प्रमुख परीक्षण परिणामों की जानकारी देता रहता है, जिसमें हाल ही किये गए आई.एम.ए.टी. के परिणाम भी शामिल हैं। वह आगे भी कार्यक्रम की प्रगति के बारे में सूचित करना जारी रखेगा।

यान चालक दल की तैयारियों से संबंधित मुददों पर, डॉ. सिंह ने दोहराया कि गगनयान मिशन के लिए उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि सभी प्रणालियों का गहन परीक्षण और विशेषज्ञ समीक्षा की जाती है, और प्रत्येक योग्यता परीक्षण के परिणामों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर प्रणाली में सुधार किया जाता है। इसके बाद फिर उनका पुनर्मूल्यांकन किया जाता है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण में आपातकालीन परिदृश्यों का व्यापक अनुकरण, ऑफ-नॉमिनल लैंडिंग की उत्तरजीविता प्रक्रियाएं, आपातकालीन किट का संचालन और गगनयात्रियों की समग्र तैयारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर मनोवैज्ञानिक परामर्श शामिल है।

श्री सिंह ने सदन को यह भी बताया कि इसरो ने स्थापित वैश्विक मानकों के अनुरूप सुदृढ़ जोखिम-मूल्यांकन और न्यूनीकरण ढांचे को संस्थागत रूप दिया है। मानव मूल्यांकन प्रमाणन बोर्ड और राष्ट्रीय सलाहकार पैनल जैसी संस्थाएं इन प्रक्रियाओं की निगरानी करती हैं ताकि सुनिश्चित हो कि समग्र मिशन के दौरान जोखिम नियंत्रण में रहे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने दोहराया कि हाल के आईएमएटी सहित प्रत्येक परीक्षण का महत्वपूर्ण प्रणालियों को मान्य बनाने के साथ ही चालक दल के प्रशिक्षण, ग्राउंड रिकवरी तैयारियों और भारत के ऐतिहासिक मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के सुरक्षित निष्पादन में योगदान है।

इंडिगो की 200 से ज्यादा फ्लाइटें हुई कैंसिल, मुंबई से बेंगलुरू तक मचा हाहाकार, आखिर क्या है वजह?

(जीएनएस)।

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पिछले कुछ समय से अपनी खामियों के कारण पिछले कुछ समय से सुर्खियों में बनी हुई है। हर दिन 2,200 से अधिक उड़ानें" संचालित करने वाली इंडिगो एयरलाइन ने 3 दिसंबर 2025 को दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद समेत अन्ॅय शहरों की लगभग 200 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिसके कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 3 दिसंबर को उस समय भारी अफरा-तफरी देखने को मिली, जब इंडिगो की कई उड़ानें गंभीर देरी और रद्द होने से प्रभावित हुईं। ऐसा माहौल केवल मुंबई तक ही सीमित नहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों के एयरपोर्ट पर इंडिगो की उड़ानें प्रभावित हुईं और यात्रियों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी

आखिर क्यों रद्द की गई इंडिगो की 200 फ्लाइट?

इसके पीछे मुख्य कारण पिछले

महीने लागू हुए 'फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL)' के संशोधित नियमों के बाद क्रू मेंबर्स और खासकर पायलटों की भारी कमी है। नए नियमों में अधिक आराम के घंटे और मानवीय रोस्टर अनिवार्य किए गए हैं, लेकिन इंडिगो को अपने विशाल नेटवर्क को इनके अनुरूप ढालने में संघर्ष करना पड़ रहा है। जिसकी वजह से क्रू मेंबर्स और पायलट की कमी के चलते ये उड़ाने रद्द करनी पड़ी।

क्या है नियम?

बता दें फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियम क्रू मेंबर्स के ड्यूटी पर रहने के घंटों को सीमित करते हैं। वे प्रतिदिन आठ घंटे, प्रति सप्ताह 35 घंटे, प्रति माह 125 घंटे और प्रति वर्ष 1,000 घंटे तक उड़ान को सीमित करते हैं। इस नियम का सख्ती से पालन होने के कारण इंडिगो बड़े स्तर पर क्रू मेबर्स और पायलट की कमी को झेल रही है।

गौरतबल है कि इंडिगो का डोमेस्टिक उड़ानों में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कब्जा है, इसलिए इसका असर पूरे हवाई यात्रा तंत्र पर महसूस किया गया है। इंडिगो ने एक बयान में कहा, "हम स्वीकार करते हैं कि पिछले दो दिनों से इंडिगो के परिचालन में नेटवर्क भर में महत्वपूर्ण व्यवधान आया है, और हम अपने कस्ॅमर्स को हुई असुविधा के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं।"

एयरलाइन ने आगे कहा, "अनेक अप्रत्याशित परिचालन चुनौतियाँ, जिनमें मामूली तकनीकी गड़बड़ियाँ, सर्दियों के मौसम से जुड़े कार्यक्रम परिवर्तन, प्रतिकूल मौसम की स्थिति, विमानन प्रणाली में बढ़ती भीड़ और चालक दल के रोस्टर नियमों (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) के अद्यतन कार्यान्वयन शामिल हैं, का हमारे परिचालन पर एक साथ नकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिसकी पहले से उम्मीद करना संभव नहीं था।"

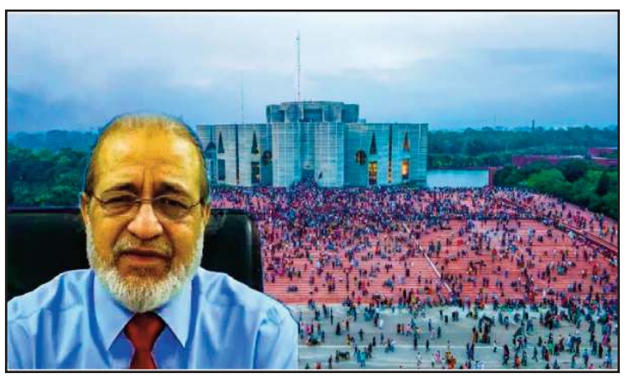

विभिन्न सेक्टरों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

(जीएनएस)।

भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग कृषि, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर किया जाता है।

कृषि क्षेत्र में, विकसित किए गए प्रमुख अनुप्रयोगों में प्रमुख फसलों के लिए कटाई-पूर्व क्षेत्रफल और उत्पादन अनुमान, बागवानी फसलों का मानचित्रण और मूल्यांकन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत खरीफ के बाद चावल के परती क्षेत्रों के इष्टतम उपयोग के लिए फसल गहनता, सूखा निगरानी और प्रबंधन, पीएमएफबीवाई योजना के तहत फसल उपज अनुमान आदि शामिल हैं। महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र (एमएनसीएफसी) की स्थापना के साथ कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रचालनगत है।

इसी प्रकार, उपग्रह डेटा का उपयोग विभिन्न आपदाओं जैसे चक्रवात, बाढ़, जंगल की आग, भूस्खलन, भूकंप, जीएलओएफ और कृषि सूखे के लिए आपदा प्रबंधन सहायता के लिए किया जाता है। भारतीय उपग्रहों जैसे, इनसैट-3डीआर और 3डीएस और ईओएस-06 का डेटा उत्तरी हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की निगरानी के लिए और चक्रवाती तूफान, ट्रैक, तीव्रता के साथ-साथ भूस्खलन के समय और स्थान की पूर्व चेतावनी देने के लिए आईएमडी द्वारा उपयोग में लाया जा रहा है। इसरो बाढ़ (नदी या चक्रवाती) के दौरान बहु-सेंसर उपग्रह डेटा से प्राप्त बाढ़ के जलप्लावन मानचित्र संबंधित राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को आपदा प्रबंधन सहायता के लिए प्रदान करता है। बाढ़ खतरा क्षेत्रीकरण (छह प्रमुख बाढ़ संभावित राज्यों के लिए) और स्थानिक बाढ़ पूर्व चेतावनी मॉडल (गोदावरी और तापी बेसिन के लिए) भी विकसित किए गए हैं। जल शक्ति मंत्रालय के नेशनल हाइड्रोलॉजी प्रोजेक्ट के तहत इसरो ने हिमालय में ग्लेशियल झीलों (>0.25 हेक्टेअर क्षेत्र) की मैपिंग और 15 प्राथमिकता वाली ग्लेशियल झीलों की जीएलओएफ रिस्क मॉडलिंग भी की है। इसरो, वन अग्नि मौसम के दौरान, प्रतिदिन छह से आठ बार, वन अग्नि प्रबंधन हेतु एफएसआई/पृथ्वी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य सरकारों को सक्रिय वन अग्नि की जानकारी प्रसारित करता है। प्रमुख वन अग्नि के लिए वन अग्नि से प्रभावित क्षेत्र का मानचित्रण भी किया जाता है। इसरो भूस्खलन की उपग्रह डेटा-आधारित सूची तैयार करता है और भूस्खलन तथा भूकंप से होने वाले नुकसान का आकलन करता है। ड्रॉट मैन्युअल 2020 के अनुसार, नेशनल जियोस्पेशियल ड्रॉट पोर्टल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर, एसएसी/इसरो के वेदास जियोपोर्टल पर विकसित किया गया है। यह तालुका और जिला स्तर पर विभिन्न माध्यमों से सूखे का पाक्षिक मूल्यांकन प्रदान करता है।

शहरी मास्टर प्लान की तैयारी में संभावित उपयोग के लिए, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय की अटल कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन मिशन (एएमआरयूटी) परियोजना के अंतर्गत शहरी भू-स्थानिक डाटाबेस के निर्माण के लिए अति उच्च रिजोल्यूशन उपग्रह डेटा का उपयोग किया जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में, इसरो कृषि, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और दूरसंचार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी/अनुप्रयोग प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इसरो ने पांच मॉड्यूल वाले स्वदेशी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की पूरी आकृति तैयार कर ली

(जीएनएस)।

इसरो ने पांच मॉड्यूल वाले स्वदेशी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की पूरी आकृति तैयार कर ली है। इसके 2035 तक पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। इसकी पूरी आकृति की समीक्षा एक राष्ट्रीय स्तरीय समीक्षा समिति ने की है। सितंबर 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस-01) के पहले मॉड्यूल के विकास और प्रक्षेपण को मंजूरी दी थी। बीएएस-01 मॉड्यूल की समग्र प्रणाली इंजीनियरिंग और विभिन्न उप-प्रणालियों की प्रौद्योगिकी विकास गतिविधियां अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं।

विभिन्न पूर्ववर्ती मिशनों, बीएएस-1 के विकास और प्रक्षेपण के लिए बजटीय आवंटन को गगनयान कार्यक्रम के संशोधित दायरे में शामिल किया गया है। इसे सितंबर, 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल से अनुमोदन के आधार पर पहले से स्वीकृत गगनयान कार्यक्रम में अतिरिक्त धनराशि के साथ बढ़ाकर 20,193 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

पहले मॉड्यूल अर्थात बेस मॉड्यूल (बीएएस-01) का विकास और प्रक्षेपण 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है तथा पांच मॉड्यूलों के साथ बीएएस का पूर्णतः परिचालन 2035 तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसरो, बीएएस-01 उप-प्रणालियों के डिजाइन में आवश्यक अंतर्राष्ट्रीय मानकों को शामिल कर रहा है ताकि अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की प्रदत्त प्रणालियों के साथ बीएएस-01 की अंतर-संचालनीयता सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा, अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ वर्तमान में कार्यरत सहयोग उपकरणों के माध्यम से, भारतीय मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए प्रौद्योगिकियों के संयुक्त विकास और विशिष्ट परीक्षण सुविधाओं के उपयोग हेतु समर्थन सहित सहयोग के संभावित क्षेत्रों की भी खोज की जा रही है।

गगनयान पहला मानवयुक्त प्रदर्शन मिशन है जो पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) तक सुरक्षित मानव परिवहन और पृथ्वी पर वापसी की क्षमताओं का प्रदर्शन करेगा। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) निरंतर भारतीय मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम में अगला तार्किक कदम है। यह अंतरिक्ष अन्वेषण के और नए रास्ते खोलेगा, जिससे एलईओ में अद्वितीय सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण वातावरण का उपयोग उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास गतिविधियों के लिए संभव होगा। साथ ही, इससे भारत के अंतरिक्ष विजन 2047 में परिकल्पित भारतीय मानव अन्वेषण मिशनों (अर्थात, चंद्रमा पर भारतीय लैंडिंग) को भी सहायता मिलेगी।

भारत के टुकड़ों का मनसूबा पालने वाला अब्दुल्लाहिल अमान आजमी कौन है? ना-पाक इरादे असीम मुनीर जैसे!

(जीएनएस)।

'जब तक भारत के टुकड़े नहीं हो जाते, तब तक बांग्लादेश में पूरी शांति नहीं आएगी।' यह जहर भरी बातें कोई फुटपाथ पर चिल्लाता उन्मादी नहीं उगल रहा, बल्कि बांग्लादेश आर्मी का रिटायर्ड ब्रिगेडियर जनरल अब्दुल्लाहिल अमान आजमी है। जमात-ए-इस्लामी के विवादास्पद पूर्व प्रमुख गुलाम आजम के बेटे ने ढाका के नेशनल प्रेस क्लब में खुल्लमखुल्ला भारत को निशाना बनाते हुए यह बयान दिया। आजमी की यह बौखलाहट पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर (अङ्ग ट४ल्ल१) की 'इ्रीि क्ल्ल्रं ह्रइँ ळँङ्क४रल्ल्रं उ४३२' वाली नापाक रणनीति से एकदम मेल खाती है- दोनों का मकसद भारत की एकजुटता को चूर-चूर करना।

शेख हसीना के पतन के बाद बांग्लादेश में फल-फूलते कट्टरपंथियों का यह बयान सिर्फ व्यक्तिगत घृणा नहीं, बल्कि पड़ोसी मुल्क की अस्थिरता को भारत पर लादने की साजिश का आईना है। लेकिन क्या आजमी का यह 'विखंडन का सपना' भारत की अटूट एकता को हिला सकता है? आइए खोलते हैं आजमी की परतें - कौन हैं वे, उनका काला इतिहास क्या है, बयान का संदर्भ क्यों खतरनाक, और भारत को कैसे दिखानी चाहिए बांग्लादेश को उसकी हद। याद रखिए, 1971 में भारत ने

बांग्लादेश को पाकिस्तानी जंजीरों से आजाद कराया था - अब वक्त है 'कृतज्ञता' की सीख दिलाने का, वरना इतिहास खुद दोहराएगा...

ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) अब्दुल्लाहिल अमान आजमी कोई साधारण पूर्व सैनिक नहीं- वे बांग्लादेश के विवादास्पद चेहरे हैं, जिनकी जिंदगी राजनीतिक घृणा और कट्टरवाद से बुनी गई है। 1958 में ढाका में जन्मे आजमी, पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के उस दौर में पले-बढ़े जब उनके पिता गुलाम आजम जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख थे। गुलाम आजम पर 1971 की मुक्ति संग्राम के दौरान हिंदुओं और बंगाली मुक्ति समर्थकों के नरसंहार का आरोप लगा- वे पाकिस्तानी सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़े थे। आजम को 2013 में युद्ध अपराधों के लिए उम्रकैद की सजा हुई, और 2014 में जेल में उनकी मौत हो गई।

आजमी ने नोट्र डेम कॉलेज से हाई स्कूल किया, फिर बांग्लादेश आर्मी जॉइन की। 2009 में ब्रिगेडियर जनरल के पद पर पहुंचे, लेकिन शेख हसीना सरकार ने उन्हें पेंशन के बिना बर्खास्त कर दिया- कारण? भारत-विरोधी बयानबाजी। 2016 में वे जबरन गायब हो गए- आठ साल तक 'अयनाघर' नामक गुप्त डिटेंशन सेंटर में कैद रहे। अगस्त 2024 में शेख हसीना के पतन के बाद रिहा हुए। रिहाई के बाद उन्होंने दावा किया,'मैं भारत-विरोधी पोस्ट के कारण गायब हुआ।' दिसंबर 2024 में उनकी बर्खास्तगी को रद्द कर 'अनचाही रिटायरमेंट' में बदल दिया गया।

आजमी का भारत-विरोध पुराना है। सोशल मीडिया पर वे अक्सर भारत को 'क्षेत्रीय आक्रामक' बताते हैं। 2015 में उन्होंने 1971 युद्ध में भारतीय सैनिकों की मौत के आंकड़ों पर सवाल उठाए। सितंबर 2024 में राष्ट्रीय गान और संविधान बदलने की मांग की - ताकि 'इस्लाम-विरोधी' कानून न बने। जमात ने साफ कहा: 'आजमी हमारे सदस्य नहीं, उनके बयान निजी हैं।' लेकिन उनकी विरासत? पिता की तरह कट्टरवाद का प्रतीक।

बयान का पूरा संदर्भ: ढाका प्रेस क्लब में जहर, चटगांव का पुराना घाव खोदा

2 दिसंबर 2025 को ढाका के नेशनल प्रेस क्लब में एक इवेंट के दौरान आजमी ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भारत के खिलाफ जहर उगला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने कहा:- 'जब तक भारत के टुकड़े नहीं हो जाते, तब तक बांग्लादेश में पूरी शांति नहीं होगी। भारत हमेशा बांग्लादेश में अशांति फैलाता रहता है।' उन्होंने 1975-1996 के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (उलळ) संघर्ष को निशाना बनाया। कहा- 'शेख मुजीबुर रहमान के समय ढउखरर (पर्वतीय चटगांव जन संहति समिति) बनी, जिसकी आर्म्ड विंग शांति बाहिनी थी। भारत ने उन्हें शरण, हथियार और

भारत का प्रवेश द्वार जहां से अंग्रेज भागे थे, दिलचस्प है इस जगह का इतिहास

(जीएनएस)।

मुंबई की पहचान बन चुका गेटवे ऑफ इंडिया सिर्फ एक स्मारक भर नहीं है। इसे भारत का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। यह जगह मुंबई शहर की पहचान है और इसे मायानगरी का लैंडमार्क भी कहा जाता है। मुंबई आने वाले पर्यटक भी इस जगह पर जरूर घूमने आते हैं। यह इमारत भारत के उपनिवेशकाल और आजादी के सफर का साक्षी भी है। अरब सागर के किनारे खड़ा यह शानदार मेहराबदार ढांचा हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

गेटवे ऑफ इंडिया की कहानी 110 साल पहले शुरू होती है। यह इमारत एक शाही यात्रा की याद में बनाया गया था। एक दौर में यह भारत के औपनिवेशिक अतीत का साक्षी बना। भारत की आजादी के स्वर्णिम इतिहास का भी गवाह यही जगह बनी थी।

इतिहास है दिलचस्प

- ब्रिटिश सम्राट किंग जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी पहली बार दिसंबर 1911 में भारत आए थे। इस जोड़े की ऐतिहासिक यात्रा की स्मृति में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने एक भव्य स्मारक के निर्माण का निर्णय लिया था।

- इस प्रतिष्ठित संरचना का डिजाइन ब्रिटिश वास्तुकार जॉर्ज विटेट ने तैयार किया, जिन्होंने इसे इंडो-सारासेनिक शैली में तैयार किया।

- इस वास्तुकला में मध्यकालीन गुजराती कला, हिंदू और मुस्लिम स्थापत्य की विशेषताओं का मेल दिखता है। विशाल मेहराब, जटिल नक्काशी और प्रभावशाली ढांचा इसे मुंबई का ताज बनाते हैं।

9 साल में तैयार हुआ भारत का प्रवेश द्वार

गेटवे ऑफ इंडिया की आधारशिला 31 मार्च 1913 को रखी गई थी। हालांकि, प्रथम विश्व युद्ध और अन्य औपचारिकताओं के कारण निर्माण कार्य 1915 में शुरू हो पाया था। लगभग 9 साल की मेहनत के बाद यह स्मारक 1924 में पूरा हुआ। इसकी कुल निर्माण लागत उस समय करीब ₹21 लाख थी, जो उस दौर की एक बड़ी राशि मानी जाती थी। दिलचस्प बात यह भी है कि इसे भारत का प्रवेश द्वार कहा जाता है। ब्रिटिश सम्राट के आगमन के प्रतीक के तौर पर इसे बनाया गया था। आजादी के बाद एक ऐतिहासिक विदाई स्थल भी यही जगह साबित हुई थी। 1948 में यही वह जगह था, जहां से आखिरी ब्रिटिश सैनिक भारत छोड़कर गए।

आज गेटवे ऑफ इंडिया भारतीय ही नहीं विदेशी पर्यटकों का भी पसंदीदा स्थान है। यहां पास में ही ताज होटल है, जो भारत की भव्यता की कहानी कहता है। हर साल न्यू ईयर और क्रिसमस जैसे मौकों पर यहां भारी संख्या में पर्यटक जुटते हैं।

हेलमेट मैन ऑफ इंडिया ने छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए 'संजीवनी बूटी' रुपी हेलमेट देकर नन्हे चेहरों पर लाई मुस्कान

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुंबई ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय में उस समय अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब हेलमेट मैन ऑफ इंडिया राघवेंद्र कुमार छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए 'संजीवनी बूटी' रूपी हेलमेट लेकर पहुँचे। सबकी नजरें तब ठहर गईं, जब हेलमेट देने से पहले प्रत्येक बच्चे के सिर का सटीक माप लिया जा रहा था, ताकि हर बच्चे को उसके लिए बिल्कुल सही आकार का हेलमेट मिल सके। बच्चों की उत्सुकता और खुशियों से भरी आवाजों ने माहौल को उत्साह में बदल दिया।

इसी बीच, जिला कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल भी अपने कार्यालय से बाहर आए और बच्चों की सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता देखकर स्वयं हैरान रह गए। कई बच्चों ने अपने पसंदीदा रंग और कार्टून वाले हेलमेट चुने, जिनमें उनके छोटे-छोटे हीरो भी चित्रित थे। कलेक्टर साहब ने भी अपनी 4 वर्षीय बेटी के लिए एक हेलमेट पसंद किया। और हेलमेट मैन ऑफ इंडिया का धन्यवाद किया जिला कार्यालय में अपनी शिकायतें लेकर पहुँचे नागरिकों के चेहरे पर भी बच्चों को देखकर बचपन की यादें ताजा हो गईं। कई अभिभावक, जो पहले ही अपने बच्चों को स्कूल छोड़ चुके थे, तुरंत उन्हें वापस लेने के लिए स्कूल पहुँचे ताकि वे भी अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए 'संजीवनी बूटी हेलमेट' दिला सकें। हेलमेट मैन ऑफ इंडिया राघवेंद्र कुमार, जो सुप्रीम कोर्ट से 4 वर्ष के बच्चों के लिए हेलमेट कानून पास कराने में सफल रहे हैं, अब खुद हर जिले में जाकर इस सुरक्षा अभियान को जमीन तक पहुँचाने में जुटे हैं। उनका कहना है कि 'कानून बनाना आसान था, लेकिन परिवारों में सुरक्षा की आदत पहुँचाना सबसे बड़ी चुनौती है।' इसी चुनौती को स्वीकार करते हुए वे अब महाराष्ट्र के सभी जिलों में स्कूलों का दौरा कर रहे हैं। ठाणे जिले में जिला प्रशासन की अनुमति से उनकी टीम स्कूल-स्कूल जाकर बच्चों की हेड मैपिंग करेगी और उन्हें रंग-बिरंगे, आकर्षक और सुरक्षित हेलमेट प्रदान करेंगे, जो पहले चरण में पुलिस के बच्चे, बस चालक और ऑटो चालक के बच्चे शामिल होंगे, हेलमेट मैन का कहना है इन बच्चों के सभी पिता एक महाराष्ट्र के योद्धा है क्योंकि अपने घर को समय ना देकर सबसे ज्यादा समय इनका सड़कों पर या ड्यूटी में रहता है और किसी भी चुनौती पर यह देवदूत बनकर पहले लोगों की मदद करते हैं इसलिए हमारा फर्ज बनता है इनके परिवार में बच्चों को सबसे पहले हम संजीवनी बूटी हेलमेट देकर खुशियां पहुंचाएं और भारत के भविष्य के लिए उन बच्चों को योद्धा पहले बनाएं उद्देश्य साफ है 'युवा बनने से पहले ही बच्चों में हेलमेट की आदत विकसित की जाए। ऐसा होने से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु और राष्ट्र के प्रतिवर्ष होने वाले भारी आर्थिक नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। महाराष्ट्र में सड़क हादसों में मरने वालों में 80% लोग बाइक सवार, साइकिल सवार और पैदल यात्री हैं—जो सुरक्षा की कमी और हेलमेट न पहनने का परिणाम है हाल ही में हेलमेट मैन ऑफ इंडिया की उपस्थिति लोकप्रिय शो केबीसी कौन बनेगा करोड़पति में भी चर्चा का विषय बनी। अमिताभ बच्चन उनसे बेहद प्रभावित हुए और कार्यक्रम में हेलमेट उपहार मिलने पर भावुक हो उठे। अगले ही दिन उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, 'हेलमेट मैन ऑफ इंडिया को मित्र बनाना मेरा सौभाग्य है।' नवरात्र के अवसर पर बच्चन साहब ने अपने प्रशंसकों को हेलमेट बांटने के बाद रात को ट्वीट किया हेलमेट बांटने की प्रेरणा हमने हेलमेट मैन ऑफ से ली हैं और उनके सेल्फलेस कार्य से मैं काफी प्रभावित हुआ हूं अमिताभ बच्चन ने स्वयं उन्हें महाराष्ट्र की सड़कों पर सुरक्षा कार्य जारी रखने का आमंत्रण दिया हेलमेट मैन ऑफ इंडिया 12 वर्ष पूर्व एक सड़क हादसे में अपने मित्र को खोने के बाद प्रण लिया कि सड़क हादसे में कोई भी व्यक्ति हेलमेट ना होने के कारण अपनी जान नहीं गंवाएगा तब से वे भारत के 22 राज्यों में अभियान चलाकर 75 हजार से अधिक हेलमेट निशुल्क वितरित कर चुके हैं और हजारों लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं अब भारतीय सेना भी उनके इस मिशन में साथ खड़ी है।

लखनऊ में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, 80 लाख की ड्रग एमडीएमए के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने बुधवार सुबह गोसाईगंज क्षेत्र में सुल्तानपुर रोड स्थित गब्बर ढाबा के पास से दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 523 ग्राम प्रतिबंधित ड्रग एमडीएमए बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 80 लाख रुपये बताई जा रही है। एसटीएफ पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही की टीम को सूचना मिली थी कि टाटा सफारी में सवार दो लोग भारी मात्रा में ड्रग लेकर गुजरने वाले हैं। सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी की और लगभग 9 बजे दोनों को पकड़ लिया गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान मोहम्मद मुजीब, निवासी लोधिपुरवा खंदारी बाजार लालबाग और मुकेश सिंह, निवासी सुरियावां, संत रविदास नगर भदोही को पकड़कर पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एक ऐसे गैंग से जुड़े हैं, जिसकी सप्लाई उत्तर प्रदेश के कई जिलों के साथ दिल्ली, मुंबई और बिहार तक फैली हुई है। गिरोह का मास्टरमाइंड मोहम्मद मुजीब अपने घर में ही अलग-अलग रसायनों को मिलाकर एमडीएमए तैयार करता था। यह तरीका उसे वाराणसी निवासी अभय सिंह ने सिखाया था, जो पहले मुंबई में इसी ड्रग के साथ पकड़ा जा चुका है। बरामद ड्रग की सप्लाई अभय सिंह, उसके भाई अनुज और आरोपी मुकेश के जरिए लखनऊ से वाराणसी भेजी जा रही थी। तस्करों ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से खरीदारों की मांग के अनुसार ड्रग तैयार कर विभिन्न इलाकों में भेजते थे। दोनों आरोपियों के खिलाफ गोसाईगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एसटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

शादी विवाह भीड़भाड़ इलाको से वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

(जीएनएस)।

बाराबंकी। शादी विवाह एव भीड़भाड़ इलाको से वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर सफदरगंज पुलिस ने एक पखवाड़ा पूर्व थाना क्षेत्र के ग्राम नूरपुर से एक शादी समारोह से चोरी हुई मारुति ब्रेजा कार को बरामद किया।बताते चले कि गत 23 नवम्बर को सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम नूरपुर एक शादी समारोह मे आये जनपद लखनऊ के थाना बीबीडी के ग्राम घोषाबाद मजरे तिवारीगंज निवासी नरेंद्र कुमार पुत्र रामगुलम की ब्रेजा कार नम्बर यूपी 32 जे एफ 6337 चोरी हो गयी थी जिसका मुकदमा थाना सफदरगंज मे दर्ज है पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय पर वाहन चोरी की घटनाओं का शीघ्र अनावरण का निर्देश दिया बुधवार को थानाध्यक्ष सफदरगंज अमर कुमार चौरसिया को जरिये मुखबिर द्वारा मिली जानकारी पर पुलिस टीम ने मुश्कीनगर रेलवे क्रासिंग के निकट से जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम नेवलपुर निवासी राज सिंह पुत्र प्रदीप सिंह व जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम हसरा निवासी जितेन्द्र पुत्र सियाराम को गिरफ्तार कर अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की ब्रेजा कार बरामद किया गया जो गाडी का नम्बर बदलकर चला रहे थे तथा बेचने की फिराक मे थे पुलिस की गिरफ्त मे आये अभियुक्तों ने बताया कि हम लोगो का एक गिरोह है जिसमे टप्पाखजुरिया नगर कोतवाली जनपद सीतापुर निवासी अंशू सिंह व वलीम पुत्र मोहम्मद निवासी मोहल्ला चौक थाना जहांगीराबाद के साथ भीड़-भाड़ वाले स्थानों, मैरिज लॉन आदि के बाहर खड़े वाहनों को चिन्हित करने के पश्चात चोरी करते हैं तथा पुलिस से बचने के लिए चोरी किये गये वाहन की नम्बर प्लेट बदल कर बेच देते है ।थानाध्यक्ष अमर चौरसिया ने बताया कि गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर चोरी की ब्रेजा कार बरामद की है अभियुक्त ब्रेजा कार नम्बर यूपी 32 जे एफ 6337 की जगह यूपी 70 डी एस 3288 की नम्बर प्लेट लगाकर चल रहे थे गिरोह के वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गयी है।

मारुति ईको कार में शॉर्ट सर्किट से भड़की भीषण आग

चालक की सूझबूझ से बची जान – दमकल विभाग ने 20 मिनट में काबू पाया, व्यस्त सड़क पर हड़कंप, आसपास दुकानें-घर खतरे में

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 3 दिसंबर बीसलपुर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक मारुति ईको कार में अचानक लगी आग ने इलाके में दहशत फैला दी। शॉर्ट सर्किट के कारण भड़की आग ने वाहन को चंद मिनटों में लपेट लिया, लेकिन चालक की तत्परता ने बड़ी अनहोनी को टाल दिया। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया, वरना आसपास की दुकानों और घरों को खतरा हो सकता था। घटना व्यस्त बाजार मार्ग पर हुई, जहां भारी भीड़ जमा हो गई।

घटना का पूरा ब्योरा:

सुबह करीब 9 बजे बीसलपुर मुख्य बाजार की सड़क पर 35 वर्षीय चालक रामकिशोर (निवासी: बीसलपुर) अपनी मारुति ईको कार (रजिस्ट्रेशन नंबर वढ-26ङ-4567) से बाजार जा रहे थे। अचानक इंजन से धुआं निकला और कुछ ही सेकंडों में आग की लपटें भड़क उठीं। रामकिशोर ने बताया, "कार की स्पीड कम की ही थी कि डैशबोर्ड से चिंगारी निकली। मैंने तुरंत गाड़ी साइड में रोकी और कूदकर जान बचाई। अगर देरी होती तो सब खत्म हो जाता।" आग इतनी तेज थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह जल गया, लेकिन चालक को कोई चोट नहीं लगी। स्थानीय दुकानदारों ने कहा, "धुआं देखते ही सब भागे, लगा पेट्रोल टैंक फटेगा।" घटनास्थल पर 10 मिनट में सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए, जिससे ट्रैफिक जाम लग गया।

दमकल विभाग की तत्परता:

सूचना मिलते ही बीसलपुर थाने से दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर अधिकारी राजेश कुमार ने बताया, "शॉर्ट सर्किट प्रतीत होता है, पुरानी वायरिंग से आग लगी। हमने 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया। पानी की बौछारों से आसपास फैलने से रोका।" टीम ने कार को पूरी तरह ठंडा किया और मलबा हटाया। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने कहा, "प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रिकल फॉल्ट पाया गया। चालक की रिपोर्ट पर केस दर्ज, वाहन सर्वे करवाएंगे। सभी वाहन मालिकों को सलाह – समय-समय पर सर्विसिंग कराएं, खासकर पुरानी कारों की वायरिंग चेक।"

प्रभाव व प्रतिक्रिया:

घटना से आसपास के लोग दहशत में थे – बाजार की दुकानें खाली हो गईं, महिलाएं-बच्चे घरों में छिपे। रामकिशोर के परिवार ने राहत की सांस ली, लेकिन आर्थिक नुकसान की चिंता। स्थानीय व्यापारियों ने मांगा – सड़क पर फायर स्टेशन बढ़ाएं। रढ अभिषेक यादव ने निर्देश दिए कि ऐसी घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई हो। पीलीभीत में वाहन आग लगने के मामले बढ़ रहे – विशेषज्ञों का कहना, मेंटेनेंस निग्लिजेंस मुख्य कारण।

ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के तत्वाधान मे साधन सहकारी समिति बड़ागांव मे साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। राष्ट्रीय कृषि एव ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के तत्वाधान मे बुधवार को साधन सहकारी समिति बड़ागांव मे साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम मे नाबार्ड की जिला प्रबंधक दिव्या राय ने बैंक द्वारा चलाई विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम मे मौजूद किसानो से रूबरू होते हुए जिला प्रबंधक दिव्या राय ने कहा कि नाबार्ड की प्राथमिकता है कि हर गांव में सक्रिय सहकारी समितियां बनें, जो कृषि, दुग्ध उत्पादन, कुटीर उद्योग और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि सहकारिता से न केवल आर्थिक विकास संभव है, बल्कि यह सामाजिक एकता और पारस्परिक सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है।

उन्होंने सहकारी समितियों के सदस्यों को विभिन्न सरकारी बैंकिंग योजनाओं प्रधानमंत्री जन धन योजना , प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देते हुए वित्तीय साक्षरता के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में बैंकिंग को बढ़ावा देने की अपील की।

कृषिल फाउंडेशन हरख के ब्लाक मैनेजर लाल जी , क्षेत्रीय समन्वयक विश्वनाथ ने कहा कि सहकारिता कोई नई अवधारणा नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन से गांवों में सहभागिता और पारदर्शिता की भावना विकसित होती है। सहकारी समितियों के गठन, संचालन और उनके अधिकारों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता साधन सहकारी समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र वर्मा एव संचालन समिति के सचिव संदीप गुप्ता ने की ।

इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में किसान, महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं और सहकारी समितियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का मनाया गया जन्मदिन

(जीएनएस)।

* आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय चंद्र शेखर आजाद जी सांसद नगीना का जन्मदिन आज जिला कार्यालय आजाद समाज पार्टी भाई चारा बेगमगंज बाराबंकी में समय मनाया गया,जिसमें केक काटकर पार्टी के कार्यकताओं और समाजसेवी लोगो ने एक दूसरे को खिलाया और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की दीर्घ आयु की प्रकृति से प्रार्थना की गई।इस मौके पर मोहम्मद अशफाक उर्फ गुड्डू ने कहा कि आज ये मौका हम सभी लोगों के लिए खुशी का मौका है और हम लोगों को ऐसा नेता मिला है जो कि सभी को साथ लेकर चलता है और शिक्षा और जगरूपता की बात करते हैं।वसीह हैदर एडवोकेट ने बताया कि आज के दिन जिनका जन्मदिन है वो बाबा साहब और मान्यवर कांशीराम जी के सपनों को पूरा करने के लिए दिन रात एक किए हुए हैं और अपनी सोच और विचारधारा के साथ पूरे देश में एक नई क्रांति को जन्म दिया है।इस मौके पर बबलू सिंह,अनुज कुमार जिला संयोजक,मो रियाज उर्फ शिंटू,मो हारून,मो शानू,अहमद,क्रांति चंद्रा एडवोकेट विधानसभा संयोजक,पिंकी यादव एडवोकेट,आमिर सुहेल जिला संयोजक,मो लतीफ,शनि कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

पीलीभीत: बीसलपुर विकासखंड के सभी पंचायत सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी के खिलाफ सांकेतिक सत्याग्रह, आंदोलन जारी–काम में कोई रुकावट नहीं!

बीसलपुर। जनपद पीलीभीत के तहसील बीसलपुर विकासखंड के सभी ग्राम पंचायत सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली के खिलाफ सांकेतिक सत्याग्रह आंदोलन शुरू कर दिया। शासन के हालिया आदेश के तहत बायोमैट्रिक मशीन से पंचायत सचिवालय में हाजिरी लगाने की व्यवस्था लागू हो रही है, जिसे सचिव लापरवाही रोकने का प्रयास बता रहे, लेकिन वे इसे अव्यवहारिक मानते हैं।

आंदोलन का कारण:

सचिवों का कहना है कि एक सचिव को कई ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो फील्ड वर्क पर निर्भर है। मुख्यालय जाकर रोज हाजिरी लगाना समय लेगा, जिससे विकास कार्य प्रभावित होंगे। इसके अलावा, मूल पंचायत कार्यों के साथ अन्य विभागों के काम थोपे जा रहे, जो बोझ बढ़ा रहा। "हमारी मनमानी नहीं, लेकिन व्यवस्था बदलने की जरूरत," एक सचिव ने कहा।

यह आंदोलन प्रदेशव्यापी है—बदायूं, औरैया, लखीमपुर खीरी जैसे जिलों में भी सचिव काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे। पीलीभीत में नवंबर 2025 से चर्चा चल रही,

आंदोलन की रूपरेखा:

सत्याग्रह सांकेतिक है—हाथों पर काली पट्टी बांधकर ब्लॉक मुख्यालय पर प्रदर्शन। सचिवों ने स्पष्ट किया कि आंदोलन निरंतर चलेगा, लेकिन पंचायत कार्यों में कोई रुकावट नहीं आएगी। "विकास योजनाएं, मनरेगा, प्रमाण-पत्र जारी जैसे काम सुचारू रहेंगे," बीसलपुर सचिव संघ के प्रतिनिधि बोले।

यदि मांगें—हाजिरी प्रणाली में सुधार व अतिरिक्त बोझ हटाना—न मानी गईं, तो चरणबद्ध आंदोलन तेज होगा। ज्ञापन डीपीआरओ को सौंपा गया।

निर्माणाधीन मकान में काम करते मजदूर को खुला बिजली तार लगने से गंभीर चोट, बिजली विभाग की लापरवाही पर ग्रामीणों में आक्रोश

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर के ढका इलाके में निर्माणाधीन मकान पर काम कर रहे एक मजदूर को बिजली विभाग की लापरवाही भारी पड़ गई। रंग-रोगन (लिन्टर) डालते समय ऊपर से गुजर रहे खुले बिजली के नंगे तार की चपेट में आकर मजदूर को करंट लगा, जिससे वह जोरदार झटके से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना का पूरा विवरण:

बुधवार सुबह मजदूर घर की छत पर काम कर रहा था। जैसे ही उसका हाथ ऊपर से निकले खुले तार को छू गया, तेज करंट लगने से वह संतुलन खो बैठा और नीचे गिर गया। मौके पर मौजूद दूसरे मजदूर डर के मारे इधर-उधर भागने लगे, जगह पर भगदड़ मच गई। घायल को तुरंत पास ही खड़े निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई।

ग्रामीणों की प्रतिक्रिया:

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह तार कई दिनों से खुले पड़े थे, बिजली विभाग को इसकी कई बार शिकायत भी की गई थी, लेकिन कोई काग्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण नाराज हैं और बिजली विभाग से तत्काल इन खतरनाक तारों को बदलने, सुरक्षा के पूरी व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर समय रहते सुधारा नहीं गया तो और बड़े हादसे होंगे।

बिजली विभाग की प्रतिक्रिया:

फिलहाल बिजली विभाग की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। थाना प्रशासन ने भी घायल मजदूर का मेडिकल रिकॉर्ड लेकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर कड़ी काग्रवाई की जाएगी।

निष्कर्ष:

यह घटना बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही को उजागर करती है, जिसमें मजदूरों की जान खतरे में पड़ गई। ग्रामीणों की मांग है कि जरूरी सुरक्षा उपाय अपनाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रोके जा सकें। स्थानीय प्रशासन से भी जल्द बचाव के कदम उठाने की उम्मीद है